सीखने के प्रतिफल

सैन्य अध्ययन

पाठ-1 : सैन्य अध्ययन का महत्व

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी-

- सैन्य अध्ययन का महत्व स्पष्ट करते हैं;
- सैन्य अध्ययन के विभिन्न पक्षों को उजागर करते हैं;
- युद्ध लड़ने के नियमों का विश्लेषण करते हैं।

पाठ-2 : सैन्य अध्ययन का सिद्धांत और विकास

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी-

- प्राचीन/मध्य काल में सैन्य शिक्षा के संगठन और संस्थाओं की व्याख्या करते हैं;
- अतीत में सैन्य शिक्षा और विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण की व्याख्या करते हैं;
- सैन्य अध्ययन की प्रगति और विकास का आकलन करते हैं;
- ब्रिटिश इंडिया के दौरान सैन्य शिक्षा प्रणाली तथा सैन्य प्रशिक्षण के भारतीयकरण की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं।

पाठ-3 : वर्तमान में सैन्य अध्ययन की आवश्यकता

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी-

- समय के साथ सैन्य अध्ययन में आए बदलावों को उजागर करते हैं;
- भिन्न-भिन्न समय में सेनाओं और प्रशिक्षण के रुपांतरण की व्याख्या करते हैं;
- युद्ध पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव का आकलन करते हैं;
- सैन्य प्रशिक्षण की आधुनिक प्रणाली का वर्णन करते हैं।

पाठ-4 सशस्त्र बल

इस पाठ के अध्ययन के बाद विद्यार्थी-

- भारतीय सेना की संगठनात्मक संरचना का वर्णन करते हैं;
- सेना, वायुसेना और नौसेना के महत्व और भूमिका का वर्णन करते हैं;
- रक्षा सेवाओं में महत्व का विश्लेषण करते हैं।

पाठ-5 विशेष बल

इस पाठ के अध्ययन के बाद विद्यार्थी-

- भारत एवं विश्व के अन्य भागों में विशेष बलों के इतिहास का वर्णन करते हैं;
- विशेष बलों की संरचना को स्पष्ट करते हैं;
- भारत में विशेष बलों की विभिन्न इकाईयों का वर्णन करते हैं।

सीखने के प्रतिफल

टिप्पणी

पाठ-6 : अर्द्ध सैनिक बल

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी-

- अर्द्ध सैनिक बलों के महत्व और भूमिका को स्पष्ट करते हैं;
- अर्द्ध सैनिक बलों की आवश्यकता का आकलन करते हैं;
- विभिन्न अर्द्ध सैनिक बलों तथा उनके विशिष्ट उद्देश्यों का वर्णन करते हैं।

पाठ-7 : भू-रणनीति

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी-

- भू-रणनीति के अर्थ एवं उद्देश्य की व्याख्या करते हैं;
- प्राकृतिक संसाधनों और भू-रणनीति के बीच संबंधों का विश्लेषण करते हैं;
- भारत के विभिन्न ऊर्जा स्त्रोतों तथा उनके योगदान का वर्णन करते हैं;
- आर्थिक प्रगति और सैन्य शक्ति के बीच संबंध की व्याख्या करते हैं।

पाठ-8 : भू-राजनीति

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी-

- भू-राजनीति का अर्थ स्पष्ट करते हैं;
- भारत की साफ्ट पावर और हार्ड पावर को उजागर करते हैं;
- भारत के पड़ोसियों और आपसी संबंधों का वर्णन करते हैं;
- सार्क के उद्देश्य और महत्व तथा उसकी कमजोरियों की व्याख्या करते हैं;
- भारत की पंचशील एवं गुट निरपेक्ष नीति को स्पष्ट करते हैं;
- भारत के अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों का आकलन करते हैं।

पाठ-9 : समुद्री सुरक्षा

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी-

- समुद्री सुरक्षा के अर्थ एवं उद्देश्य को स्पष्ट करते हैं;
- भारत की समुद्री रक्षा और इसकी मुख्य चुनौतियों को उजागर करते हैं;
- समुद्री रक्षा की विभिन्न एजेंसियों और संस्थानों का वर्णन करते हैं;
- भारत की विभिन्न महत्वपूर्ण बंदरगाहों के नाम तथा अर्थ व्यवस्था की प्रगति में उनके योगदान का वर्णन करते हैं।

पाठ-10 : सैन्य बलों की भूमिका एवं उनके द्वारा प्रयुक्त हथियार

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी-

- भारतीय नौसेना के विभिन्न जलपोतों द्वारा हथियारों के बारे में जानते हैं;
- भारतीय वायुसेना के विभिन्न विषयों तथा उनकी भूमिका का वर्णन करते हैं।

पाठ-11 : भारतीय सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी-

- सेना, नौसेना और वायु सेना के आधुनिकीकरण की आवश्यकता को स्पष्ट करते हैं;
- सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण में सामने आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण करते हैं।

पाठ-12 : परमाणु युद्ध

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी-

- परमाणु ऊर्जा, फिजन, फ्यूज़न, श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रियाओं और उनके प्रभाव को स्पष्ट करते हैं;
- परमाणु विस्फोट की विशेषताओं और प्रभावों को सूचीबद्ध करते हैं;
- परमाणु विकिरण के अर्थ और प्रभाव को जानते हैं;
- परमाणु विस्फोट के दुष्प्रभावों से बचने के विभिन्न उपायों का वर्णन करते हैं।

पाठ-13 : जैविक युद्ध

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी-

- जैविक युद्ध के विभिन्न एजेंटों को सूचीबद्ध करते हैं;
- जैविक युद्ध के एजेंटों की विशेषताओं को पहचान करते हैं;
- जैविक युद्ध के एजेंटों की आवश्यकता का आकलन तथा वांछित एजेंट का चयन करते हैं;
- जैविक युद्ध के साधनों के वितरण का वर्णन करते हैं।

पाठ-14 : रसायनिक युद्ध

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी-

- सैन्य उपयोग के लिए विभिन्न प्रकार के रसायनिक एजेंटों के बारे में जानते हैं;
- विभिन्न रसायनिक एजेंटों की विशेषताओं और मानव शरीर पर उनके प्रभावों को पहचानते हैं;
- मानव शरीर पर विभिन्न रसायनिक एजेंटों के संकेतों को सूचीबद्ध करते हैं;
- खतरनाक रसायनिक एजेंटों के विरुद्ध बचाव के विभिन्न उपायों का वर्णन करते हैं।

पाठ-15 : साईबर युद्ध

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी-

- साईबर युद्ध और इसके खतरों की व्याख्या करते हैं;
- साईबर अपराधों एवं प्रयुक्त साईबर हथियारों को पहचानते हैं;
- राष्ट्रीय साईबर नीति और साईबर आक्रमण के बचाव के उपायों को स्पष्ट करते हैं।

सीखने के प्रतिफल

टिप्पणी

पाठ-16 : सशस्त्र बल और शांति स्थापना

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी-

- शान्ति स्थापना की कार्रवाइयों की आवश्यकता और अर्थ की व्याख्या करते हैं;
- संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में शांति स्थापना के महत्व को उजागर करते हैं;
- शांति स्थापना के सिद्धान्तों की व्याख्या करते हैं;
- संयुक्त राष्ट्र के शांति स्थापना के प्रयासों में भारतीय सेना के योगदान का आकलन करते हैं।

पाठ-17 : सशस्त्र बल और आपदा प्रबंधन

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी-

- विभिन्न प्रकार की आपदाओं को पहचानते हैं;
- आपदा काल में सशस्त्र सेनाओं की भूमिका को जानते हैं;
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कार्यों को सूचीबद्ध करते हैं;
- आपदाकाल के दौरान 'क्या करें' और 'क्या न करें' को उजागर करते हैं।

पाठ-18 : सशस्त्र बल और आतंरिक सुरक्षा

इस पाठ का अध्ययन करने के बाद शिक्षार्थी-

- आंतरिक सुरक्षा में सशस्त्र बलों की भूमिका स्पष्ट करते हैं;
- भारत की रणनीतिक परिसंपतियों की रक्षा की आवश्यकता का आकलन करते हैं;
- भारत की रणनीतिक संपतियों के लिए सशस्त्र बलों के विशेष मण्डलों का वर्णन करते हैं;
- भारत की आंतरिक सुरक्षा में भारत की गुप्तचर एजेंसियों की भूमिका और महत्व को जानते हैं।